विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग

ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा–846008

पत्रांक : ..... दिनांक: .....

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (06–07 अप्रैल, 2021)

विषय : संवेदनशील समाज के निर्माण में संस्कृत की भूमिका

मुख्य अतिथि	:	**प्रो0 गोविन्द चौधरी**
विभागाध्यक्ष	:	प्रो0 जीवानन्द झा, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
मंच संचालन	:	डॉ0 मित्रनाथ झा (शास्त्रचूड़ामणि) स्नातकोत्तर संस्कृत अध्ययन एवं शोध संस्थान, कबड़ाधाट, दरभंगा।
विशिष्ट वक्ता	:	प्रो0 शशिकान्त झा
उपस्थित छात्र–छात्रा	:	400
धन्यवाद ज्ञापन	:	डॉ0 ममता स्नेही, सहायक प्राचार्य, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।

'संस्कृत लोकप्रियं कथं भवेतु' विषयक परिचर्चा (09.10.2021)

दिनांक 09.10.2021 शनिवार को विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के सभागार में **'संस्कृत लोकप्रियं कथं भवेतु'** विषय ऑफ लाइन एवं ऑन लाइन के माध्यम से राश्ट्रीय परिचर्चा का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि	:	**पो0 मुश्ताक अहमद, कुलसचिव, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।**
विभागाध्यक्ष	:	प्रो0 जीवानन्द झा, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
मंच संचालन	:	डॉ0 संजीत झा, सहायक प्राचार्य, संस्कृत विभाग, सी0एम0 कॉलेज, दरभंगा।
विशिष्ट वक्ता	:	प्रो0 जयशंकर झा, अध्यक्ष, लोकभाषा प्रचार समिति, बिहार, पटना।
उपस्थित छात्र–छात्रा	:	68
धन्यवाद ज्ञापन	:	डॉ0 विनय कुमार झा

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी, 2022) समय 11:00 बजे पूर्वाह्ण

उद्धाटन कर्त्ता	:	**प्रो0 (डॉ0) सुरेन्द्र प्रताप सिंह, माननीय कुलपति, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।**
विशिष्ट अतिथि	:	प्रो0 (डॉ0) डॉली सिन्हा, माननीया प्रति–कुलपति, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
विशिष्ट अतिथि	:	प्रो0 (डॉ0) मुश्ताक अहमद, माननीय, कुलसचिव, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
विभागाध्यक्ष	:	प्रो0 जीवानन्द झा, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
उपस्थित छात्र–छात्रा	:	120
सौजन्य	:	स्नातकोत्तर संस्कृत, मैथिली, हिन्दी एवं उर्दू विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन नई दिल्ली, 'तत्वबोध' व्याख्यान श्रृंखला (29.04.2022)

उद्धाटन समय प्रातः 09:00 बजे पूर्वाह्न

उद्धाटन कर्त्ता	:	**प्रो0 डॉली सिन्हा, (प्रति–कुलपति, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा)**
मुख्यातथि	:	प्रो0 सिद्धार्थ शंकर सिंह, (प्रति–कुलपति, का0 सि0 द0 संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
अध्यक्षता	:	प्रो0 जीवानन्द झा, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
मुख्य वक्ता	:	डॉ0 मित्रनाथ झा, शास्त्र चूड़ामणि, मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा।
विशिष्ट अतिथि	:	डॉ0 जय शंकर झा, अवकाश प्राप्त प्राध्यापक, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
उपस्थित छात्र–छात्रा	:	56
धन्यवाद ज्ञापन	:	डॉ0 ममता स्नेही, सहायक प्राचार्य, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।

Topic : "सामुदायिक सेवा" विषयक (16 अगस्त, 2022)

मुख्य अतिथि : **मुजफ्फरपुर स्थित शुभम् संस्था की निर्देशिका प्रो0 संगीता अग्रवाल**
विभागाध्यक्ष : प्रो0 जीवानन्द झा (उद्‌बोधन किये)
मंच संचालन : डॉ0 मित्रनाथ झा
विशिष्ट वक्ता : मानव सेवा समिति के अध्यक्ष, डॉ0 जयशंकर झा
उपस्थित : 24 (Participated)
छात्र–छात्रा
धन्यवाद ज्ञापन : राजकीय नेत्रहीन विद्यालय, (मिर्जापुर, दरभंगा)

Topic : अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (30–31 अगस्त, 2022) (उद्घाटन समय 11:00 पूर्वाह्न)

मुख्य संरक्षक	:	**प्रो0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह (कुलपति, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा)**
संरक्षक	:	प्रो0 शशिनाथ झा (कुलपति, का0 सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा) प्रो0 राधाकान्त ठाकुर (कुलपित, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति) प्रो0 डॉली सिन्हा (प्रति–कुलपति, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा) प्रो0 मुश्ताक अहमद (कुलसचिव, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा)
गरिमामयी उपस्थिति	:	डॉ0 जयशंकर झा (अध्यक्ष, लोकभाशा प्रचार समिति, बिहार, पटना)
स्वागताध्यक्ष	:	प्रो0 जीवानन्द झा (अध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा)
संयोजक	:	डॉ0 कृश्णकान्त झा (अध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, एम0एल0एस0 कॉलेज, सरिसबपाही, मधुबनी)
आयोजन सचिव	:	डॉ0 संजीत कुमार झा (सहायक प्राचार्य, संस्कृत विभाग, सी0एम0 कॉलेज, दरभंगा)
सह–सचिव	:	डॉ0 ममता स्नेही (सहायक प्राचार्य, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा)
मुख्य वक्ता	:	प्रो0 राधाकान्त ठाकुर (कुलपित, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति)
Participated	:	1000

16 अगस्त, 2022 संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा मुजफ्फरपुर स्थित शुभम् संस्था की निर्देशिका प्रो0 संगीता अग्रवाल का एक विशिष्ट व्याख्यान "सामुदायिक सेवा" विषयक हुआ। इस व्याख्यान में मुख्य अतिथि वक्ता प्रो0 संगीता अग्रवाल थी। विभागाध्यक्ष जीवानन्द झा ने सबका स्वागत किया।

मंच संचालन संस्कृत, मैथिली, अंगेजी और हिन्दी के लोकप्रिय विद्धान डॉ0 मित्रनाथ झा ने किया। विशिष्ट वक्ता मानव सेवा समिति के अध्यक्ष, डॉ0 जयशंकर झा ने उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ0 ममता स्नेही, डॉ0 मित्रनाथ झा जी ने भी अपना अपना वक्तव्य दिया। इस अवसर पर संस्कृत, मैथिली, इतिहास, अंग्रेजी और अर्थशास्त्र के शोधार्थी छात्र/छात्रा 24 उपस्थित थें।

महाकवि कालिदास के काव्यों में राष्ट्रीयता (10.11.2022) समय 11:30 पूर्वाह्न

व्याख्यान कर्त्ता	:	**प्रो0 देवनारायण झा,** (पूर्व कुलपति, का0सि0द0 संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
आयोजन	:	विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा तथा प्रभात दास फाउन्डेशन, दरभंगा
उपस्थित छात्र–छात्रा	:	60
अध्यक्षता	:	डॉ0 धनश्याम महतो (विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा)
धन्यवाद ज्ञापन	:	प्रभात दास फाउन्डेशन के सचिव मुकेश कुमार झा

जीवानन्द झा (पूर्व विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा) कार्यक्रम में मैथिलि विभागाध्यक्ष, प्रो0 रमेश झा, मैथिलि प्राध्यापक, प्रो0 दमन आदि उपस्थिति हुए।

कालिदास के काव्य में राष्ट्रीयता की भावना समान रुप से दृष्टिगोचर : पूर्व कुलपति

दरभंगा (तरुण मित्र)। कालिदास अद्वितीय महाकवि थे जिनका साहित्य अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं से हमें रूबरू कराता है। व्यक्ति, राज्य, राजा, प्रजा, राष्ट्र और राष्ट्रीयता ही नहीं मानवीय जीवन से जुड़ा ऐसा कोई भी पक्ष नहीं है जो कालिदास के काव्यों में मौजूद नहीं है। मनोरम वाणी में कालिदास ने भारत की राष्ट्रीयता का अपूर्व संदेश दिया है। विलक्षण प्रतिभा के धनी महाकवि कालिदास के काव्यों में राष्ट्रीयता की भावना ने मूर्त रुप लिया है। उक्त बातें संस्कृत के विद्वान एवं संस्कृत विवि के पूर्व कुलपति प्रो देवनारायण झा ने कही। विश्वविद्यालय के पीजी संस्कृत विभाग और डॉ. प्रभात दास फाउण्डेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में महाकवि कालिदास के काव्यों में राष्ट्रीयता विषयक एकल व्याख्यान में प्रो झा ने कहा कि कालिदास का काव्य बताता है कि शासनतंत्र में प्रजा को अधिकार है कि वो 24

मिल सके। प्रजाहित को छोड़कर राजा का कोई भी अन्य कर्तव्य नहीं ने अखंड भारत, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध राष्ट्र की बात की होना चाहिए, जहां प्रजा दुखी न हो और जहां हिंसा व चोरी आदि का संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. घनश्याम महतो ने कहा कि राष्ट्रीयता की के काव्यों में व्यापक एवं समग्र रूप से दृष्टिगोचर होता है। कार्यक्रम में मैथिली विभागाध्यक्ष प्रो रमेश झा, मैथिली के प्राध्यापक प्रो दमन झा, पेंशन पदाधिकारी डॉ. सुरेश पासवान, सीएम कॉलेज के मैथिली- प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र भारद्वाज, एमएलएस कॉलेज सरसोपाही की संस्कृत- प्राध्यापिका डॉ. शकुंतला कुमारी सहित 60 से अधिक व्यक्ति उपस्थित थे। जिन्हें आयोजकों द्वारा अतिथियों के हाथों प्रमाण पत्र प्रदान दिया गया। अतिथियों का स्वागत पाग, चादर तथा पौधा देकर किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जबकि अंत राष्ट्रगान- जन गण मन... के सामूहिक गायन से हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डा आर एन चौरसिया के संचालन में आयोजित व्याख्यान में अतिथियों का स्वागत पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जीवानन्द झा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन फाउंडेशन के सचिव मुकेश

स्वास्थ जॉच शिविर (23.11.2022) समय 10:30 पूर्वाह्न से 02:00 बजे अपराह्न तक

स्नातकोत्तर संस्कृत विभागा, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा एवं पारस हॉस्पिटल के संयुक्त तत्त्वावधान में स्वास्थ जॉच शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि	:	**प्रो0 अजीत कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य, पूर्व रजिस्टार, डायरेक्टर, एम0बी0ए0, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।**
आयोजक	:	डॉ0 आर0एन0 चौरसिया, प्राचार्य, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा
विषय प्रवेशक	:	डॉ0 आर0एन0 चौरसिया, प्राचार्य, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा
अध्यक्ष	:	डॉ0 धनश्याम महतो, विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
मुख्य वक्ता	:	डॉ0 अनुराधा, पारस हॉस्पिटल, दरभंगा।
धन्यवाद ज्ञापन	:	डॉ0 ममता स्नेही, सहायक प्राचार्य, स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
उपस्थित छात्र–छात्रा	:	60